भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3411
गुरुवार, 20 मार्च, 2025/29 फाल्गुन,1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

बोकारो विमानपत्तन पर प्रचालनात्मक चुनौतियां

3411. श्री दुलू महतो:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्तमान में बोकारो विमानपत्तन का प्रचालन हितधारकों के बीच प्रशासनिक मुद्दों के फलस्वरूप आस्थगित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) उक्त स्थिति से यात्री और क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) का कार्यान्वयन किस प्रकार प्रभावित हो रहा है;
(ग) क्या सरकार को बोकारो विमानपत्तन के प्रचालन में विलंब करने वाले प्रशासनिक मुद्दों के समाधान के संबंध में कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) सरकार द्वारा उक्त विमानपत्तन पर प्रचालनात्मक चुनौतियों का समाधान करने और नियमित उड़ानें आरंभ करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है; और
(ङ) बोकारो विमानपत्तन के प्रचालन में विलंब आरसीएस के व्यापक उद्देश्यों को किस प्रकार प्रभावित कर रहा है और इस प्रभाव के उपशमन हेतु किन उपायों पर विचार किया जा रहा है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ड.): बोकारो हवाईअड्डा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का है और क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) – उड़ान के तहत असेवित हवाईअड्डों/हवाईपट्टियों की श्रेणी में सूचीबद्ध है। बोकारो हवाईअड्डे पर विकास कार्य क्षेत्रीय संपर्क योजना के तहत पूरा हो चुका है और हवाईअड्डे के लाइसेंसिंग प्रक्रिया अभी चल रही है। सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए झारखंड राज्य सरकार को पहाड़ी की चोटी पर अवरोधक लाइट स्थापित करनी है, जो सेल द्वारा उपलब्ध कराई जानी है। दिनांक 31.01.2025 तक, योजना के तहत बोकारो हवाईअड्डे के विकास के लिए 72.32 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। बोकारो को कोलकाता और पटना से जोड़ने वाली चयनित एयरलाइन ऑपरेटर (एसएओ) द्वारा उड़ानों की शुरुआत हवाईअड्डे के प्रचालन होने के अधीन है।

*****